VAN VIHAR NEWSLETTER

OCTOBER-NOVEMBER-DECEMBER-2023

First Tiger of the Van Vihar

संचालक डेस्क

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू, भोपाल द्वारा इस न्यूज लेटर के पंचम अंक के माध्यम से अक्टूबर, नवम्बर व दिसम्बर 2023 के मध्य वन विहार में हुई गतिविधियों के बारे मेंजानकारी दी जा रही है। यह सम्पूर्ण अंक बाघ के संरक्षण के लिए समर्पित है जिसमें वन विहार में पाए जाने वाले बाघ एवं उनसे सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मध्य प्रदेश बाघ संरक्षण में देश अग्रणीय है। सबसे अधिक बाघ मध्य प्रदेश में ही पाया जाता है। मध्य प्रदेश में 785 बाघ हैं। बाघ का संरक्षण वनों के लिए अति आवश्यक है।

वन विहार द्वारा इन तीन माह में वन्यप्राणी सप्ताह, नेचर कैम्प, चीता दिवस एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। हमें हर्ष है कि इस न्यूज लेटर के माध्यम से वन विहार की क्रियाकलापों के साथ-साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु वन विहार द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से आपका परिचय कराया जा रहा है।

(श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णन)
(आई.एफ.एस.)
संचालक
वन विहार नेशनल पार्क एवं चिड़ियाघर

वन्यप्राणी अंगीकृत करें

वन विहार के वन्यप्राणियों को किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा, मासिक, त्रैमासिक, छ:माही या वर्ष भर के लिए गोद लिया जा सकता है। वन्यप्राणी अंगीकरण योजना के अंतर्गत व्यय की गई राशि 80G के अंतर्गत नियमानुसार आयकर से मुक्त होगी। निम्न वन्यप्राणियों को उनके समक्ष दर्शित राशि, Executive Director M.P. Tiger Foundation Society, Van Vihar National Park, Bhopal के नाम पर चैक जारी कर गोद लिया जा सकता है:-

प्रजाति	वार्षिक राशि रू	अर्द्धवार्षिक राशि रू	त्रैमासिक राशि रू	मासिक राशि रू
बाघ	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
सिंह	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
तेन्दुआ	1,00,000	50,000	25,000	9,000
भालू	1,00,000	50,000	25,000	9,000
लकड़बग्गा	36,000	19,000	10,000	4,000
जैकाल	30,000	16,000	9,000	3,500
मगर	36,000	19,000	10,000	4,000
घड़ियाल	50,000	26,000	14,000	5,000
अजगर	8,000	4,500	2,300	800

Address :
Director, Van Vihar National Park
and Zoo,Bhadbhada Road,
Bhopal – 462003
Phone : 0755 - 2674278
Email : fdvanvnp.bpl@mp.gov.in

Van Vihar is open to tourist on all days of the week except Friday.

@VanViharNationalParkOfficialPage
@vanviharnationalpark.bhopal
@van_vihar
www.vanviharnationalpark.org

Visit our website for park timings and gate charges.

वन विहार के बाघ

आईए बाघ के बारे में कुछ रोचक बातें जानें

बाघ जो कि भारत का राष्ट्रीय पशु है सबसे आर्कषक एवं प्रतापी वन्यप्राणी है। बाघ साईब्रेरिया में उत्पन्न होकर अनेकों देशो में फेल गया। बाघ की 9 उप प्रजातियों में से तीन आज विलुप्त हो चुकी हैं तथा शेष 6 उप प्रजातियाँ अति संकटापन्न होकर विलुप्त होने की कगार पर हैं। वर्ष-2022 की गणना के अनुसार भारत में 3682 बाघ हैं जो कि विश्व के बाघों की आबादी का आधे से अधिक है। म.प्र. को 785 बाघों के साथ सर्वाधिक बाघ स्तर से टाईटर स्टेट का दर्जा प्राप्त है।

बंगाल बाघ (पेंथेरा टाइग्रिस)

- बाघों में धारियों में अनोखा संयोजन और पैटर्न होता है और कोई भी दो बाघ की धारियाँ समान नहीं होती हैं एवं यह धारियाँ केवल उनके बाहरी शरीर पर ही नहीं बल्कि उनकी त्वचा पर भी होती हैं।
- बाघ के शावकों की आँखें जन्म के पहले सप्ताह तक बंद रहती हैं। मादा बाघ अपने शावकों का दो वर्षो तक पालन एवं प्रशिक्षण करती है।
- बाघ के कान के पीछे सफेद रंग के गोल धब्बे होते हैं। यह धब्बे बाघ के बच्चों को घने जंगल में उनके माता का अनुशरण करने में मदद करते हैं।
- बाघ की लार में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं और इसलिए जब वे घायल हो जाते हैं, तो वे खुद को चाटते हैं जिससे घाव ठीक हो जाता है। इससे रक्तस्राव रोकने में भी मदद मिलती है।
- अपने भारी शरीर के बावजूद, रॉयल बंगाल बाघ पेड़ों पर चढ़ सकते हैं, भले ही वे चढ़ने के लिए नहीं बने हों एवं बाघ अच्छे तैराक हैं।
- इन प्राणियों की रात में देखने की क्षमता मनुष्यों से 6 गुना और सुनने की क्षमता 5 गुना ज्यादा होती है।
- बाघ का वैज्ञानिक नाम पैंथेरा टाइग्रिस है। नर-200-300 किलोग्राम और मादा- 100-181 किलोग्राम। नर बाघ की ऊंचाई 8-10 फीट होती है जबकि मादा की ऊंचाई 8-9 फीट होती है।

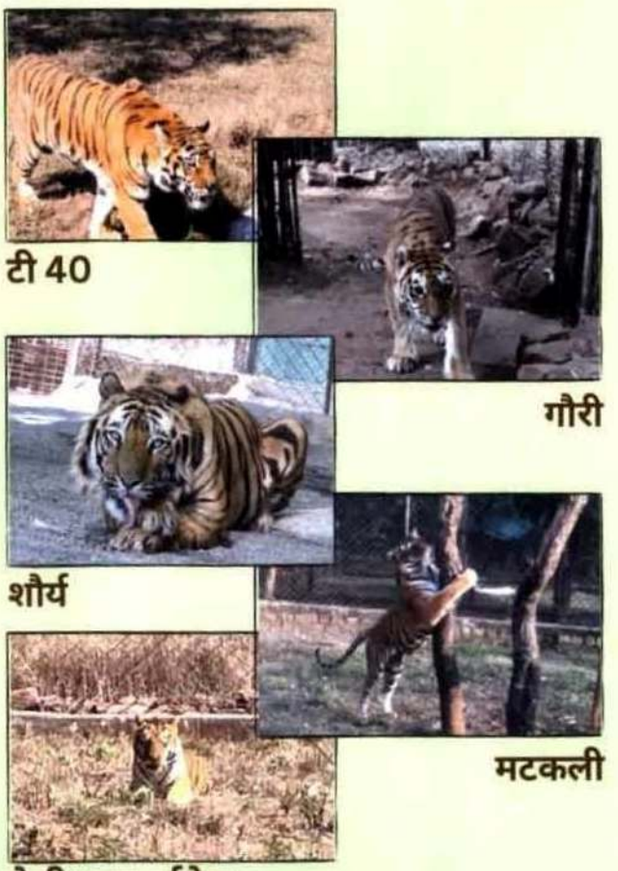

सफेद बाघ

- सफेद बाघ की कोई अलग प्रजाति नहीं है।
- जंगल में, 10,000 शिशुओं में से एक में सफेद बाघ का जन्म होता है। सफेद बाघ केवल उन माता-पिता से पैदा होते हैं जिनमें सफेद रंग के लिए "अप्रभावी जीन" जीन होता है।
- सफेद फर एक दुर्लभ आनुवंशिक उत्परिवर्तन है। यह फेनोमेलेनिन की अनुपस्थिति के कारण होता है, जो नारंगी फर वाले सामान्य बाघों में पाया जाने वाला एक वर्णक है।
- सफेद बाघों की आंखें नीली होती हैं। नीली आंखों का जीन सफेद फर के जीन से जुड़ा होता है। इसलिए जहां अधिकांश नारंगी बंगाल बाघों की आंखें पीली होती हैं, वहीं सफेद बाघों की नीली आंखें होती हैं।

वर्तमान में वन विहार में 12 नर तथा 7 मादा बाघ हैं जिनके नाम पन्ना, बंधु, बाँधव, बंधन, शोर्य, सरन, के.टी.आर., बी.टी.आर., टी-40, पेंच, बाँधवगढ़-1, बाँधवगढ़-2 तथा रिद्धी, गंगा, गौरी, मटकली, सुंदरी, सत्तू, बंधनी है।

नेचर कैम्प

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू, भोपाल मेंप्रतिवर्ष छात्र-छात्राओं में वन, वन्यप्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दृष्टि से नेचर कैम्प का आयोजन किया जाता रहा है। इसी तरह इस वर्ष-2023में भी भोपाल शहर एवं उसके आस-पास के ग्रामों के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 28.11.2023, 04.12.2023, 19.12.2023 व 23.12.2023 को नेचर कैम्प का आयोजन किया किया। नेचर कैम्प में लगभग 4 शिक्षण संस्थानों के लगभग 192 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। नेचर कैम्प के दौरान छात्र-छात्राओं कोवन विहार की तरफ से नि:शुल्क सामग्री वितरण की गई। इसके बाद सहायक संचालक महोदय द्वारा वन विहार का परिचय देकर एवं वन विहार के अन्दर कैसे व्यवहार करना चाहिए इसकी जानकारी देकर कैम्प की शुरूआत की।रिसोर्स पर्सन द्वारा कैम्प को आगे बड़ाते हुएछात्र-छात्राओं को पक्षी दर्शन, वन्यप्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी, वन, वन्यप्राणी व पर्यावरण से संबंधित रोचक जानकारी प्रदान की। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न पक्षियों की प्रजातियाँ देखी तथा इसके अतिरिक्त बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर, नीलगाय आदि वन्यप्राणियों का भी अवलोकन किया। रिर्सोस पर्सन के रूप में श्री ए.के. खरे, सेवानिवृत्त, उप वन संरक्षक, डॉ. एस.आर. बाघमारे,उप वन संरक्षक, श्री विजयबाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट, वन विहार तथा मो. खालिक भोपाल बर्डस द्वारा विद्यार्थियों को वन विहार का भ्रमण कराया गया। इस दौरानश्रीमती पदमाप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कैम्प का संचालनश्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक, वन विहार द्वारा किया गया।

नेचर कैम्पछायाचित्र

"प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2023" कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 10.10.2023 को पलाश रेसीडेन्सी, टी.टी. नगर, भोपाल में "प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2023"विषय पर एक कार्यशाला आयोजितकी गई जिसमें मध्य प्रदेश के वन वृत्त से आए अधिकारी उपस्थित हुए। इस कार्यशाला का उद्देश्यवर्ष 2023-24 में होने जा रही गिद्ध गणना से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर चर्चा प्रेजेन्टेशन के माध्यम से की गई।

कार्यशाला का शुभारंभ श्री पुष्कर सिंह, पी.सी.सी.एफ. एवं प्रबंध संचालक, लघु वनोपज संघ, भोपाल के द्वारा किया गया जिसमें उनके द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया एवं अपने अनुभव को साझा कर गिद्ध संख्या के सम्बन्ध में चर्चा की। इनके द्वारा पन्ना में पाए जाने वाले गिद्ध प्रजातियों के विषय एवं उनके स्थान के बारे में चर्चा की। श्री अतुल श्रीवास्तव, पी.सी.सी.एफ. के द्वारा वर्ष-2016 से वर्ष-2021 तक की गई गणनाओं के विषय में चर्चा की एवं केरवा के निकट स्थित गिद्ध ब्रीडिंग सेन्टर के विषय में चर्चा की। इसके बाद श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल ने कार्यशाला में आए हुए अतिथियों का सम्बोधन किया उसके पश्चात प्रेजेन्टशन के माध्यम से वल्चर एक्शन प्लान वर्ष-2020 से वर्ष-2025 के विषय में बताया।

कार्यशाला में उपस्थित रिसोर्स पर्सन्स ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से गिद्ध गणना के बारे में जानकारी दी, "मध्य प्रदेश में गिद्धों की संख्या के विषय", "इनसिटु संरक्षण विषय", "गिद्धों के पाए जाने के स्थानों के विषय","गिद्ध गणना के लिए उपयोग में लाई जाने वाली प्रक्रिया के विषय", "गिद्ध गणना कैसे की जाए तथा प्रपत्र भरने के तरीके समझाए", आदि विषयों पर जानकारी साझा की गई। साथ ही डॉ. समीता राजोरा, संचालक, इको पर्यटन विकास निगम, भोपाल, सहायक संचालक, वन विहार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में संचालक, वन विहार द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद सम्बोधन किया। कार्यशाला का समस्त संचालन संचालक, वन विहार, सहायक संचालक, वन विहार, समस्त इकाई प्रभारी एवं अधिकारीगणों द्वारा किया गया।

वन्यप्राणी चिकित्सकों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 16, 17 व 18 अक्टूबर को वन्यप्राणी चिकित्सकों के लिए "अप्रोचेस एण्ड एडवांसमेंट्स इन एक्स-सिटु मैनेजमेंट ऑफ वाईल्ड एनिमल्स" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल पलाश रेसीडेन्सी, भोपाल में किया गया। यह कार्यशाला सेन्ट्रल जू ऑथोरिटी, नई दिल्ली द्वारा वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल के सहयोग से आयोजित की गई।

उक्त कार्यशाला का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव, वन श्री जे.एन. कांसोटिया द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, श्री रमेश कुमार गुप्ता, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना एवं वन भू अभिलेख), अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री शुभरंजन सेन, श्री सत्यानंद, श्री एच.एस. मोहंता एवं श्रीमती कमलिका मोहंता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. संजय शुक्ला, सदस्य सचिव, केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा ऑनलाईन के माध्यम से कार्यशाला की समसामयिक उपयोगिता एवं समस्त जू की सुदृढ़ता के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वन्यप्राणी चिकित्सकों की क्षमता विकास करना था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए 36 वन्यप्राणी चिकित्सकों ने एवं ख्याति प्राप्त सीनियर 17 वेटेरियन्स ने रिर्सोस पर्सन के रूप में भाग लिया जिसमें क्रमशः (1) फण्डामेन्टल्स ऑफ केप्टिव एनिमल मैनेजमेंट (2) डिसीज मैनेजमेंट इन वाईल्डलाईफ विथ स्पेशल रिफरेंस टू जूनोसेस (3) हेल्थ एण्ड वेलफेयर ऑफ केप्टिव वाईल्ड एनिमल्स तथा (4) इन्टरवेंशन्स इन केप्टिव एनिमल मैनेजमेंट विषयों पर चर्चा हुई।

कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को वन विहार ले जाकर वन्यप्राणी स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु उपयोग किए जाने वाले सभी आधुनिक उपकरणों के उपयोग के बारे में बताया गया। साथ ही कुछ वन्यप्राणियों जैसे भालू, अजगर, कछुआ आदि के ब्लड सेम्पल कैसे लिए जाएँ इसे व्यवहारिक रूप से समझाया गया। इसके अतिरिक्त वन्यप्राणियों के सेम्पल कैसे एकत्रित किए जाएँ एवं कैसे लेबोरेटरी भेजे जाएँ इसका भी व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

सम्पूर्ण कार्यशाला का संचालन डॉ. पराग निगम वरिष्ठ वैज्ञानिक, वन्यजीव संस्थान देहरादूर एवं डॉ. गोरी मालापुर, संचालक, गैयामित्र कलेक्टिव फाउण्डेशन, गोवा द्वारा किया गया।

कार्यशाला के समापन पर मुख्य अतिथि द्वारा कार्यशाला की उपयोगिता एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई ज्ञानवर्धक जानकारी को अपने-अपने कार्यक्षत्रों में क्रियान्वित कर बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन करने का आह्वान किया गया। साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि भविष्य में भी केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली, वन्यजीव जीव संस्थान, देहरादून के सहयोग से आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से नई-नई तकनीकी स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी वन्यप्राणी चिकित्सकों को होगी इसके बारे में भी अवगत कराया गया।

कार्यशाला के समापन के अंत में श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी स्रोत व्यक्तियों एवं प्रतिभागियों के साथ-साथ सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया गया। समापन के दौरान श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक एवं डॉ. अतुल गुप्ता, वन्यप्राणी चिकित्सक, वन विहार भी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा वन विहार के वन्यप्राणियों पर परीक्षण

तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान दिनांक 17.10.2023 को वन विहार में कार्यशाला में उपस्थित वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा वन विहार के वन्यप्राणियों पर परीक्षण कर अध्ययन किया गया, उससे सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई एवं वन विहार का भ्रमण किया।

राज्य स्तरीय वन्यप्राणी सप्ताह 2023

दिनांक 01.10.2023 से 07.10.2023

वन विहार द्वारा राज्य स्तरीय वन्यप्राणी सप्ताह 2023 दिनांक 01.10.2022 से 07.10.2022 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल के शिक्षण संस्थानों-स्कूलों/कॉलेजों से छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 01.10.2022 को माननीय वन मंत्री, म.प्र. शासन द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

वन विहार द्वारा राज्य स्तरीय वन्यप्राणी सप्ताह 2023 हेतु आयोजित फोटाग्राफी प्रतियोगिता की प्रदर्शिनी का उद्घाटन मान्नीय वन मंत्रीजी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्री जे.एन. कांसोटिया, अपर मुख्य सचिव, वन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता,डॉ. अभय कुमार पाटिल, प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य वन विकास निगम, श्री पुष्कर सिंह, प्रबंध संचालक, म.प्र.राज्य लघुवनोपज सहकारी संघ मर्यादित, श्री असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक,डॉ. अतुल श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना एवं वन भू अभिलेख) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में शालाओं के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण, उनके अभिभावक एवं मीडियाकर्मी भी उपस्थित रहे।सभी सम्माननीय अतिथियों द्वारा स्वच्छता की शपथ गृहण की गई।

विश्व प्रकृति निधि भारत द्वारा वन विहार स्थित विहार वीथिका में शिकारी पक्षियों की प्रदर्शिनी का भी उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। राज्य स्तरीय वन्यप्राणी सप्ताह 2023 हेतु वन विभाग की विभिन्न शाखाओं जैसे- ईको टूरिज्म बोर्ड, सामाजिक वानिकी, जैव विविधता बोर्ड, बाँस मिशन के साथ-साथ अन्य संस्थाओं जैसे क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय द्वारा भी प्रदर्शिनी लगाई गई थी।

कार्यक्रम के दौरान मो. खालिक एवं डॉ. संगीता राजगीर, भोपाल बर्ड्स, भोपाल द्वारा वन विहार के प्रमुख पक्षियों के बारे में एक हेंडबुक का विमोचन मान्नीय वन मंत्रीजी द्वारा किया गया।कार्यक्रम के दौरान दिनांक 01.10.2022 से 07.10.2022 तक वन विहार द्वारा राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई (जैसे- चित्रकला प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, विद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता, महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, पॉम पेंटिंगप्रतियोगिता, जागरुकता हेतु सृजनात्मक कार्यशाला, फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता एवं फेस पेंटिंग)। प्रतियोगिताओं के साथ-साथ पक्षी अवलोकन, जैव विविधता शिविर एवं चीता के लिए दौड़ भी आयोजित की गई। इन समस्त प्रतियोगिताओं में शिक्षण संस्थाओं के लगभग 2500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री मंगुभाई पटेल, महामहिम राज्यपाल, मध्य प्रदेश शासन द्वारा विजेताओं को दिनांक 07.10.2022 को समापन समारोह में पुरूस्कृत किया गया, "सतपुड़ा टाईगर रिजर्व की कॉफी टेबल बुक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की बटरफ्लाई सर्वे रिपोर्ट, बटरफ्लाई आफ भोज वेटलेंड बुक तथा वनांचल संदेश"बुकलेट का विमोचन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरूस्कृत एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस

दिनांक 04 दिसंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में स्थित स्नेक पार्क पर 'On the spot' क्विज प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसमें वन विहार में भ्रमण करने आए लगभग 140 पर्यटकों बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। जिन्हें पाँच ग्रुप में बाँटकर चीता से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए एवं पूछे गए प्रश्नों पर वार्तालाप कर चीता, बिल्ली प्रजाति से संबंधित एवं विश्व में पाई जाने वाली बड़ी बिल्ली प्रजातियोंसे सम्बन्धित जानकारी प्रदान की तथा जिन प्रतिभागियों ने सही उत्तर दिए उन्हें पुरूस्कृत किया गया।

इस क्विज का आयोजन संचालक वन विहार के निर्देशानुसार किया गया।श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट, वन विहार एवं श्री संकल्प किसनानी उपस्थित रहे।

वन विहार में दौरा

दिनांक 31.10.2023को बैतूल वन विद्यालय से आए हुए वनविभाग से महिला वनपाल प्रशिक्षुओं को वनविहार का भ्रमण कराया एवं श्रीमान सहायक संचालक महोदय ने वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 16.11.2023 को श्रीमान संचालक महोदय ने गोवा जू की डायरेक्टर मेडम को वनविहार के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 03.11.2023 को आई.आई.एफ.एम., भोपाल से आए रिसर्च पर्सन्स को वन विहार दौरा कराया गया तथा संचालक वन विहार द्वारा वन विहार के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में त्रैमासिक में पर्यटकों का आगमन

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में माहवार भ्रमण के लिए आए पर्यटकों की जानकारी:-	
माह	**पर्यटक संख्या**
अक्टूबर2023	58910
नवम्बर2023	59748
दिसम्बर2023	89762

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू के - जू-कीपर

जू-कीपर : नाम – अवनीश त्रिपाठी, पद - वनरक्षक

श्री अवनीश त्रिपाठी, वनरक्षक वन विहार में वर्ष-2004 से कार्यरत उत्तीर्ण साईन्स हैं।दिनांक 01.10.2006 से दिनांक 30.03.2007 तक वन विद्यालय, शिवपुरी (म.प्र.) में ट्रेनिंग प्राप्त की। कानपुर प्राणी उद्यान, कानपुर (उ.प्र.) के जू-कीपर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। दिनांक 19 व 20 मार्च 2008 में प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी मध्य प्रदेश भोपाल में रेस्क्यू स्क्वाड प्रशिक्षण प्राप्त किया। दिनांक 26.08.2009 को रेस्क्यू सेन्टर में कर्तव्य, निष्ठा एवं साहस के फलस्वरूप किए गए कार्य के लिए उन्हें प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि रू. 500/- से पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2010-11 में मध्य प्रदेश शासन वन विभाग वन वृत्त भोपाल में उत्कृष्ट कार्य हेतु पदक प्रदान किया गया। वन्यप्राणी संरक्षण पुरूस्कार वर्ष-2018 में विभिन्न अवसरों पर रीजनल रेस्क्यू स्क्वाड द्वारा सम्पादित किए गए वन्यप्राणी रेस्क्यू अभियानों के दौरान कार्यदल के सदस्य के रूप में निरंतर श्रेष्ठ कार्य हेतु राशि रू. 10,000/- एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

वर्तमान में कार्य का विवरण -

न्यू टाईगर हाउसिंग में बाघ सत्तू, मटकली,बंघिनी को दिए जाने वाले भोजन का रजिस्टर मेनटेन करना। न्यू टाईगर हाउसिंग में हाउसिंग की साफ-सफाई, वॉटर हॉल की साफ-सफाई, क्रॉल की निरीक्षण, चूने से पुताई करवाना, भोजन वितरण करवाना, रेस्क्यू दल के सदस्य के तारतम्य में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर एवं राजगढ़ जिलों के वनक्षत्रों एवं आसपास स्थित ग्रामों एवं शहरों में वन्यप्राणी आपात स्थिति के वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं सरक्षण हेतु कार्यरत हैं। वन्यप्राणी चिकित्सक द्वारा दिए गए चार्ट अनुसार बाघ सत्तू, मटकली, बंघिनी को मेडिसिन देते हैं। वन्यप्राणी के असामान्य व्यवहार होने पर वन्यप्राणी चिकित्सक एवं वरिष्ठ अधिकारी को सूचना देना व इसके पश्चात अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्य करते हैं।

जू-कीपर : नाम – श्री जोग सिंह यादव, पद - स्थाई कर्मी

श्री जोग सिंह यादव, स्थाई कर्मी, वन विहार में वर्ष-1994 से कार्यरत हैं। इनकी शैक्षणिक योग्यता दसवी उत्तीर्ण है। वर्तमान में न्यू टाईगर हाउसिंग में बाघ सत्तू, मटकली, बंघिनी में है। दिनांक 02.04.2012 से दिनांक 06.04.2012 तक राष्ट्रीय पशु कल्याण संस्थान दिल्ली में जू-कीपर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्य का विवरण -

श्री यादव न्यू हाउसिंग में सुबह आकर वन्यप्राणी बाघ सत्तू, मटकली, बंघिनी का निरीक्षण, उसके उपरांत क्राल की जाली, चुटकी, ताले चेक करने के बाद वन्यप्राणी को क्रालों में खोलना हाउसिंग की साफ-सफाई करने के बाद वन्यप्राणियों को भोजन वितरण करवाना। उसके बाद क्राल की साफ-सफाई, वॉटर हाल की साफ-सफाई एवं चुने से पुताई करवाना।

रेस्क्यू दल के सदस्य के तारतम्य में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर एवं राजगढ़ जिलों के वनक्षेत्रों, आसपास स्थित ग्रामों, शहरों के वन्यप्राणी आपात स्थिति में वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु कार्यरत हैं।